

21.7.93

नामा परिषद (सिटी-बोर्ड) जोगपुर की दिनांक
28.6.93 की नामित बैठक, जो 21.7.93 को
सोम दिन बुधवार को अपरान्ह 5-00 बजे सम्पन्न
हुयी, में सम्मिलित मान्य सदस्यों के नाम व कीर्तनार्थ
लिखा गया है।

1 श्री सीताराम यादव	अध्यक्ष
2 श्री राम अग्रवाल यादव	मान्य समाज
3 " लक्ष्मी गान्ध्या यादव	प्रतिनिधि सीट
4 " वाबू लाल गुप्त	मान्य समाज
5 " डा० सुनील श्रीवास्तव	" "
6 " मिहिर लाल	" "
7 " राजी मोहन सलीम	" "
8 " जगदीश चरण शर्मा	" "
9 " अतल राजा उर्मि भट्टाचार्य	" "
10 " शोभिताम झा	" "
11 " दयाशंकर	" "
12 " डा० कृष्ण कुमार	कीर्तन अध्यक्ष
13 " रविन्द्र प्रताप सिंह	मान्य समाज
14 " राजेन्द्र प्रताप सिंह	" "
15 " विद्यालाल लोन्का	" "
16 " शिव कुमार गुप्त	" "
17 " नजीर महमूद	" "
18 " जीरेन्द्र प्रताप यादव	" "
19 श्रीमती सुष्मा श्रीवास्तव	नामित सदस्य
20 श्रीमती विमला सिंह	" "

(सचिव का स्थान पर)
आपकी शाही आदेशकारी,
सिटी-बोर्ड जोगपुर
21.7.93

(सीताराम यादव)
अध्यक्ष
सिटी-बोर्ड जोगपुर
21.7.93

निर्णय

पिछली बैठक दिनांक 26-4-93 पिछली कार्यवाही पाँचवें निर्णय की कार्यवाही वाले पुर्ण / द्वारा सदन में पढ़ी गयी, प्रपोजित किने जाते समय डा. जी कृष्णनन्दा जी उपाध्यक्ष, ने पुणेनामा में पाकड़ का पेड़ काटने के बारे में ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि अध्यास जी कृष्णा वतने का कपट को कि वना उक्त पेड़ काट गया, इस पर अध्यास मधोदप की अनुमति से जी उदय-शंकरा पाठेप, अवधुतिप्रता ने बताया कि पेड़ काटने की कार्यवाही चल रही है, जल्द ही उक्त पेड़ काट जायेगा। पुनः डा. जी कृष्णा कृष्ण, वीरप उपाध्यक्ष ने कहा कि वना की अध्यास, राजव निरीक्षक, के खिलाफ धन आधी के बारे में कोई जाँच नहीं गयी है, इस पर अध्यास की अनुमति से अधिशाली-अधिमणी ने बताया कि मेरे पास इस प्रकरण में जाँच की जा रही है आगे पुनः डा. जी कृष्णा कृष्ण वीरप के उपाध्यक्ष ने कहा कि पिछली बैठक में मैंने यह प्रश्न उठाया था कि अब तक जो पढ़े किने गये हैं, उसको जानकारी सदन को दी जाय, ऐसी चर्चाओं को कपों छोड़ दिया जाता है? कुल जहाँ तक यह है कि

प्रस्ताव

निर्णय

मेरे इस प्रस्ताव को सदन में चर्चा के दौरान उठाया था, जिसे इन्होंने नहीं लिया गया है, इसे भी कार्यवाही प्रक्रिया में लिया जाय।

माहिला इंग्लैंड में जांच के लंदन को दिये जाते की बात उठायी गयी, जिस पर आधिकारी आधिकारी ने जांच के अग्रगण्य को कहा।

श्री निधिसागर (सोनम) मान्य सम्प्रदाय ने कहा कि अच्युत/राजेश महोदय व्यय वतने को कष्ट से कि जो मंच को का निचारा हो रहा है, उसकी जातकारी, किने सम्प्रदाय को दी गयी है? इस पर आधिकारी आधिकारी ने बताया कि

चाचकपु एवं मिर्चापु के सच का केन्द्र चल रहा है, सर्वे का कार्य पूरा हो जाये पर कौ रातों को तोरिसे भेजी जायेगी, उसके पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर निराहारी की कार्यवाही होगी, उस समय केन्द्र मान्य सम्प्रदाय की उपस्थिति में निराहारी की कार्यवाही की जायेगी इस पर श्री निधिसागर (सोनम)

निर्णय:-

प्रस्ताव

मान्य समाज ने कहा कि गरीब लोगों को निचोड़ दिया जाएगा, तो बाद में यह प्रक्रिया समाज के हित में आएगी तो गरीबों को नुकसान होगा, यहाँ मतभेद हो रही है, आपके समक्ष में आर्थिक कर्मचारियों का बड़ा गला है, सरकार की मदद है, इस पर अध्यक्ष महोदय ने कहा कि यह कदम का जो फैसला नहीं है हाँ इतना अवश्य है कि जिस क्षेत्र में कर्मचारियों को दिया है, उस क्षेत्र के समाज को नुकसान दे दी जाएगी।

आगे जी बाबुलाल गुप्त, मान्य समाज ने कहा कि यहाँ तक प्रस्ताव दो तल्ला पट्टे का बना है और इसका कर्मचारियों को जो भत्ता मिले उसमें भी जो भत्ता मिले और यदि उस पर एक तल्ला या एक कमरा और बन जाय तो इसका वार्षिक भत्ता कितना होगा, 15,000/- पन्द्रह हजार तो नहीं हो जायेगा, इसी समय श्री

प्रो. व. क. गुप्त, समाज ने कहा कि एक मामला जो नष्ट का है, जिसका प्रस्ताव है, इसका वार्षिक भत्ता 30,000/- तो उच्च है, इसे कर्मचारियों को दिया गया है,

21.7.93

प्रस्ताव :-

निर्णय :-

जवाबे उत्तर के कारणों से
राजकमल टिकन एवं कौन
होना है, जिसका नाम
भटनीय मूल्य मात्र 6000/-
है, हुआ है, है तो
दशा में यह स्पष्ट है
कि जनता के साथ जमीन
चाप रही, जोर है, इस
पर अक्षय एवं अचिकाही
अचिकाही मध्ये ने कहा
कि यदि ऐसी कोई बात
है तो उसको लिखित
प्रमाण दे दी जाए
ताकि उसको देना जा
सके और उस पर
विचार का जो उत्तर
हो उसे किना जा
सके, इस पर खतरा
की सहमति पायी गयी।
आगे की शो मतलब आप
मान्य समझने के लिए
कि अक्षय जो अक्षय
यह बताये जो भी प्रमाणों
हम समझने में पूर्व में
किसी कार्यवाही अचिकाही
के लिए किना है, तो
उसके लिए आपने
क्या किया? अक्षय
मध्ये ने कहा कि
होम है, आप लिखित
प्रमाण दे, कार्यवाही
की जाएगी।

प्रस्ताव

निर्णय -

नया को आगे बढ़ाते हुए जो
 विद्या सागर सोलर ने कहा कि
 सवजी मंत्री में तद्वजारी को प्रोस
 को दा जो बढ़ी है, उसे कम किया
 जाय, क्योंकि जो किसान एक
 दूसरी को पालक को साग लेबा जाता है
 उसका पालक 2/- दो रुपये का
 विक्रता है तो वह किस परिस्थिति
 में 1/- एक रुपया तद्वजारी प्रोस
 के देगा, तो किसान माजोणा,
 जो प्रोस को दा बढ़ाया गया है
 वह हमें मान्य नहीं है, इसे कम
 किया जाय, इस पर अध्यक्ष
 एवं अधीक्षाली अधीक्षणी महोदय
 ने कहा यह बढोत्तरी तद्वजारी
 प्रोस का पहले प्रस्तावित हुआ,
 जिसे निच समिति द्वारा
 स्वीकृत करने के पश्चात उसे
 बोर्ड की बैठक में रखकर जायेंगे
 को सहमति से अनुमोदित
 किया गया था, इसकी विद्या-
 सागर सोलर, मान्य सभापति
 द्वारा विरोध प्रकट किया
 गया तथा कई अन्य सभापति
 विरोध प्रकट किया गया तद्वजारी
 प्रोस को घटाने पर प्रकीर्ण
 सदस्यों द्वारा समर्थन पाये जाये
 पर यह सभ्यता निर्णय लिया
 गया कि केवल किसानों द्वारा लांचों
 में जो सवजी लायी जाती है, उसे
 लांचों पर मात्र = 50 (पचास पैसे) ही
 तद्वजारी प्रति लांचों की जायेगी।

21.7.93

प्रस्ताव:-

निर्णय:-

तब प्रश्न पट्टा उस कि पर
लगा है लागू किया जायेगा
तब अधिकांश-अधिकांश महोदय
ने कहा कि मरती आस के 93
ले लागू किया जायेगा, तब
पुनः श्री निवासराज शिंदे
मान्य समाज ने कहा कि इसे
कल मती 22-7-93 को लागू
कर दिया जाय तब पर निर्णय
लिखा गया कि इसे 23-7-93
"नारायण" के दिन ले लागू
किया जाय, जिस पर सदन
की सहमति पायी गयी।
इसके बाद एनील श्रीवास्तव,
मान्य समाज ने कहा जो
प्रस्ताव बोर्ड द्वारा प्रारित कर
दिया जाता है, इसे मंडलायुक्त
महोदय से अनुमोदन प्राप्त
जाने के पश्चात् ही ले लागू
किया जायेगा, इस पर
अधिकांश-अधिकांश महोदय
ने बताया कि जो
नामानासरा मुख्य जो
पुले का पट्टा 21-धा और
उसे वदामा 20/- का दिया
गया, उसे मंडलायुक्त महोदय
की सेवा में अनुमोदन हो
मे जाने की जरूरत नहीं
है, यदि इसे बोर्ड ने
प्रारित कर दिया है तो
वर्कलाज के तहत रेट वसूली

निर्णीय।

लागू करने में मजबूततापूर्वक प्रयत्न

के अनुमोदन की आवश्यकता
नहीं है, उसे बोर की सुविधा
ले लागू कर दिया गया है।

आगे की गजेशानभाषण

मान्य सम्प्रदाय ने कहा कि
सच्ची मंडी में जो लोग अंधन
की दुआत निपे हुए थे, वह
अब, मंडी शीतला चिकित्सा
के रास्ते में स्थानांतरित होने
के कारण, खुलती रही, मात्र
सोड़ी ली सच्ची आती है जो
बोर की तदवस्था की छाप अब
नष्ट कर होती है, अतएव
मैं पुनः कहूँ कि इसमें एक
छप्प मॉकेट बनवा दिया जाए,
इस पर की विद्यासागर जोरकर,
मान्य सम्प्रदाय ने कहा कि मैं
यह पुनः कहूँ कि जो ~~मैं~~
टहर को है, उसे टहरा दिया
जाए, जो उनके स्थान पर मॉकेट
बनवा दिया जाए, जिससे बोर
की अच्छी आग होगी।

आगे की विद्यासागर जोरकर

मान्य सम्प्रदाय ने कहा पैदाजत
में बोर में चर्चा की बात यह
है कि अभी मैंने पैदाजत में
जाती न मिलने पर चर्चा की जा
कि या था, उस पर पुनः यह
आश्वासन दिया गया था कि
पैदाजत में पुनः होगा
लेकिन सोड़ी पुनः नहीं हुआ

21.7.93

निर्वाण

महाराज

आजकल भी आदिपुत्र, त्रिकुटा
मिमांसा, में पाती नहीं मिल
पा रहा है, इस पर कल्पित
महोदय की आश्रित से की
के दा (नाममादा, नामा (मिमांसा
(जल) एवं जलमय (मिमांसा)
ने बताया कि उस समय
कोभी प्राप्त नहीं, जो वेगवान
होस पाती नहीं मिलता था,
वह अब वेगवान गज में
होस पाती मिलने लगी है,
इस पर भी निवासमान (मिमांसा)
मान्य समाज ने कहा कि
नहीं, वेगवान नहीं मिल पा
रहा है, जिसे देखा जा
सकता है, इस पर भी के
नाममादा, नामा (मिमांसा)
ने कहा कि आप कल ही
चले भी के पर वेगवान
मिल रहा है, देखा जका
हूँ, आगे की निवासमान
कोनमा ने कहा कि बहुत
से मुहल्ले जग में रहे हैं,
जहाँ पानी की आश्रित
देख लाइन बिछाई नहीं
गयी है जो नहीं है
जम्मा वहाँ लगवाये गये हैं
जो वल्लोपु. इम (लो),
लगीचा इम (लो), लगीपु
गदत, अजीना, मोहालगाजी,
नंदगंज (हुलेनामदा) है।

21-7-93

262

पुल्लो

निर्णयः

आगे श्री विष्णुसुख को नमः -
 सभासद ने कहा कि मिल हो
 जहाँ जेम जमाया की कोइ चलाया
 नही है, वहाँ पूतलाल पूछे -
 पम लावा दिसे जाम । श्री निवा
 लाल ने कहा कि चुंगी नाकाओं
 की निजी की प्राप्त चलायी है
 जहाँ पूतलाल लरीदा जा सकता
 है, पंडित दीनदयाल दीपा -
 भवोजन गृह की मालिक ने
 सकती है, तो उन्ही चुंगी नाका
 ले निजी ले प्राप्त चलायी है
 हुदल्ला में पानी की आपसी है
 पम लावा डाली जाम, इस प
 आचिषाली-आचिकारी मोदप ने
 बताया कि चुंगी नीलामी ले
 प्राप्त चलायी है मेरे पुत्रिक
 है, उसके जम की लोचनी
 अभी तक बापुन ले प्राप्त नहीं
 हुयी है, ऐसे पशा में उले
 हम निवा बापुन की लोचनी
 प्राप्त किसे, उले लच नहीं क
 सकते ।

आगे श्री बोभताप जाम .

मान्य सभासद ने कहा कि चुंगी
 नाकाओं पर, निज प्रकाल ले
 लाना हो गया है जहाँ लाललाल
 चुंगी नाका में पी.सी.ओ.ओ.
 खुल गया है, इस पर आचिषाली
 आचिकारी ने कहा कि उन्हे
 जे चरिक लाना नहीं दिया
 गया है, इस पर अन्य सभासदों



21.7.93

प्रस्ताव

निर्णय

ने आपस उठाया कि मैं

उस लाइव लाइव में ही

में ही ली. जो लीव गया

इस पर आपस लीव को

महदप ने कससा कहा कि

सम्पादन लीव का व्यक्ति

को पहले लीव उठाया

लेती पाई थी, हाँ इतना

जहर है कि उस लीव का

को नीला को सम्पूर्ण पाई

पिरी-नोर जोन को प्राप्त

हो चुका है, इस पर आपस

आपस जीवनत्व ने कहा कि

व्या किरी लीव का

जवा दिया गया है पर

उस व्यक्ति ने किता लीव

प्राप्त किए हुए जवा का

लिपा तो उसके लिए

व्या कोई नोडिड आप

के देका व्या कोई जवा

कार्यवाही की गयी? यदि

नहीं की गयी तो अब

कोनो कार्यवाही की जाय

अगे आप को क्या करना

वैपु आपस महदप ने

कहा जो रिजल्ट पड़े का

मैं आपस प्रस्तुत किया गया

है, उसमें किरी पड़े का

जिसे नहीं है केवल दुम

को किरी पर किए जाने

वाला रिजल्ट दिखलाया

गया है।



21-7-93

263

निर्णय -

इसी इलाक़ के कम में इन्होंने
 प्रस्ताव किया कि जहाँ पर पुलना
 पोस्ट ऑफिस था, उसके सामान
 में जहाँ चाट का डेला लगता है
 वहाँ पर श्री विरेन्द्र कुमार नामक
 बालक को लाटरी के नाम पर
 कोई पहा किया गया है, जो एक
 साल जितना भूमि न सस्ता है, इस
 पर आधिकारिकी / जमीन मालिक
 महीन को अनुमानित है राजस्व
 प्रमाणों को श्री चामुण्डा ने बताया
 कि नहीं वहाँ पर कोई पहा नहीं
 किया गया है, हाँ इतना जरूर है
 कि लाटरी खेलने वालों को
 शासनादेश के अनुपालन में भूमि
 दी गयी है, जिसमें दो लिस्ट
 एवं में बता है, जिसमें एक
 लिस्ट में 18 बालकों को इसी
 लिस्ट में 13 बालकों को दिया
 गया है, जिसमें श्री विरेन्द्र कुमार
 नामक बालक को भी नाम
 है, इस पर SP श्री कृष्णा कुमार
 वरिष्ठ आधिकारिक ने कहा, वीर
 है उस चाट वाले के स्थान पर
 आज की तिथि 21.7.93 को
 7.15 बजे ~~आपण्ड~~ / राम
 तक श्री विरेन्द्र कुमार चाटवाले
 या उसके परिवार के नाम से
 भूमि का आवंटन नहीं किया
 गया है, इस बात को कार्रवाई
 रजिस्ट्रार में नोट किया जाये
 में अगली बैठक में इसे अवरुध

21.7.33

प्रस्ताव

निर्णय

देवता / इसके जोड़ने के
नज्जल प्रोग्राम का
नहीं हुआ है।

श्री विद्यालाल विनम्र
मान्य समाज ने कहा कि
जिस तरह पंडितदयाल
उपाध्याय, मोहनदास
क्रीपा गुरु की माहिर
हैं प्रस्ताव लागू होगा
उसी प्रकार, उसी तरह
पादप लाइव निष्कर्ष के लिए
लिखा जाय, तभी ही प्रोग्राम
किमा जायेगा, इस प्रोग्राम
अध्यक्ष/डा. विद्यालाल विनम्र
महोदय ने कहा कि इसका
प्रस्ताव प्रस्ताव के दिमा जाय,
तो बोर्ड में प्रस्ताव के
रूप में इन प्रोग्राम लागू जायेगा।

आगे श्री बाबूलाल जी
मान्य समाज ने कहा कि
मैंने एक प्रस्ताव लाया
है, उसके ताला बद रहता
है, इसमें भी पानी की
चार्ज अधिक आया है
ऐसा क्यों? अध्यक्ष महोदय
ने कहा कि ठीक है उसे
लिखित दें, दोन लिखा
जायेगा।

आगे श्री वीरेंद्र प्रताप
पादव, मान्य समाज ने
कहा कि मेरे बार्ड में



पुलक

विशेष

ओ मिश्ररूप, समाई हलका है,
 न निर्मापित समाई नहीं माले,
 उनका वहाँ से स्थापना का
 दिया जाय, इस पर स्वच्छता में
 ने कहा कि समाई को हानि
 रखते हुए अभी तालांगों को
 एक का दिया गया है,
 जिससे ताले की समाई को
 कार्य एवं एक साथ लगाने
 का प्रयोग, जिससे ताले / तालों
 की विजयुल समाई हो जाया
 होगी।

आगे की विद्या लगा लो नकल

मान्य समाई, ने कहा कि मोहल्ले
 वेगमगंज में समुचित समाई न होने
 के कारण वहाँ पर 7 व्यक्तियों की
 मृत्यु का कारण है हुआ है लेकिन
 कोई भी समाई निरीक्षण वहाँ देखने
 नहीं गया, ऐसा लगता है कि
 समाई निरीक्षण, कभी अपने कार्य
 कार्य क्षेत्र में जाते ही नहीं। उतावे
 उन्होंने यह भी कहा कि मैंने
 पुनर्जायु में लाइट प्लांट जो
 बहुत दिनों से खराब है, जिसे
 ठीक करने हेतु प्रकाश विभाग, 6
 नाल-वाल कहते हैं भी वहाँ इसे
 ठीक करने कोई नहीं गया उतावे
 नहीं राई लगवाया गया इस पर
 प्रकाश प्रभागी ने बताया कि वहाँ
 पर राई लगवा दिया गया है जो
 जल भी रहा है, इस पर ओ.

21.7.92

शेखर :-

निजीप -

विद्यासागर बोस ने कहा कि नंदराज नहीं जो रहा है, इस पर यह तब पापा गप्पा कि चलाकर निकाला तो लिपा जाय, यदि नहीं जल रहा है, तो उसे हीक का दिया जाय।

आगे की (जिन्हें प्रताप सिंह, मान्य समाज ने कहा कि इन्दिरा मोरटे में पैदा होने के पास, उस के पाती एकत्र हो जाता है, जिससे नागों को आवगमन में प्रेरणा होती है उस भाग पर कितने कितने गप्पा जतवड़े जाय, इति प्रकृत कोतवाली योराह पर कि दवड़े पाके पर पाती एकत्र होता है वहाँ पर पाती विकास की व्यवस्था कायी जाय,

इस पर जवन्मा प्रताप ने बताया कि इन स्थातों पर नालों की व्यवस्था हेतु निर्माण कार्य की छत्री में इसे - सम्मिलित कर लिपा गयो अन्य कई समाज एक साथ बैठे कि सिरी-बोर्ड जेष्ठ में व-र की कमी है इस पर कागजों नाथ एवम्, मान्य समाज ने कहा कि एक दिन

निर्णय

मे. एक इन्वेल जो दि. प्र. कोलाह
जवाके बाई में जोपिक के डे निर्माती
ह. तो उसके उबाने की कोडी

आतीरिय चमसु की जाय।

इस पर आचिशास्त्री-आचिकी

ने समट किया कि इन्वेल

किराये पर लिपे जा सकते हैं,

किन्तु उस पर कुछ उबाने के

लिपे पर डीक मजदूरी पर स्वच्छता

की आवश्यकता होगी, जितने लिए

शासन का प्रतिबंध होगा हुआ है,

इस पर श्री गणेशदास (वत, मान्य

समाजद ने कहा क्या उसे ठीक

पर दिया जा सकता है? इस

पर आचिशास्त्री आचिकी ने कहा

कि इसे ठीक पर दि. प्र. जाते

का कोई प्राप्ति नहीं है।

आगे डा. जी लुणा लुणा

जी. प्र. उपाध्यक्ष ने कहा कि

मे. यह व. प्र. कह चुका हूँ कि

ऐसे लोग जिसे कोई मे. प्र. है जो

कई वर्षों से एक ही कुर्मी पर

लिपे के हुए हैं, उन्हें स्वाभाविक

रूप दिया जाय, इस पर अध्यक्ष

ने कहा कि ठीक है, प्र. प्र. वत

जी जायेगी, तदुपर कार्य

की जायेगी।

आगे डा. पुनीत जीवालय

मान्य समाजद ने कहा कि का

निर्धार का क्या कोई सम

निर्धारित है या वारदात

इन्वेल में कोई काइटेगा

21.7.93

प्रस्ताव -

निर्देश -

है कि एक बॉर्ड में
कितना समय लगा होगा
है इस पर आधिकारिक
आधिकारी ने बताया कि
इस कार्य हेतु कोई
आकांक्षित नहीं
रखा गया है, इसलिए
कुछ बखली हस्तों को
लगाना कार्य लिया जा
रहा है। जो पुनीत जीवित
मान्य प्रभाव ने कहा
कि क्या आपका कोई
ऐसा प्रयास है कि यह
कार्य कब तक पूरा हो
जाएगा। इस पर आधिकारिक
आधिकारी महोदय ने कहा
कि निर्देश, अर्थात्
निकाश, उपग्रह लॉन्चिंग
का निरीक्षण था, इस-
लिए कम से कम एक
बॉर्ड का पूरा होना था,
जो चल भी रहा था, जो
~~हस्तों में~~ जो गत अक्टूबर
93 में पूरा हुआ था कि
मार्च 93 में बखली को
भी देलना था, आगे इस
पुनीत जीवित ने कहा
कि जितनी जल्दी हो
सके, पंच वर्षों में
निष्पत्ति का कार्य
पूरा कर लिया जाय।

21-7-83

266

प्रस्ताव

निर्णय

आगे की गतिशीलता, मान्य
समाज, ने कहा कि समाज
कार्य को यदि ठीक से
दिना जाय, अथवा ठीक से
इस तरह से लिखा जाय, तो समाज
बढ़ी होगा। आचार्यजी, आचार्यजी
प्रद्योत ने स्थिति स्पष्ट किया
कि इस तरह का कार्य करने से
निरंक भवती है चरम
रखता होगा, जो समाजशास्त्र
प्रतिनिरूपित है। श्री विद्यालया
लेतका, मान्य समाज ने कहा
कि चित्तलगा की एक
पुलिया बताई गयी है जो
अभी हाल ही में निर्मित हुआ
है, वह काफी अच्छा बना
दी गयी है, जिससे पता
लूक पर पुलिया के प्रसन्न रहता
है, जिसके कारण आवागमन
वांछित है, इसको देखना
लिखा जाय, जो लोक सभा
जाय, इसके देखने के लिए
23-7-83 को आचार्यजी-आचार्यजी
अध्यक्ष ने चले को कहा।
आगे श्री अतलजा उद्ग
भइया जी, मान्य समाज ने
कहा कि मानवीय अध्यक्ष
जी में इस जो में एक
वात कहना चाहता हूँ कि
जो व्यवस्था है, वह ठीक
नहीं है, जब बोर की

Name

By who

21.7.93

प्रस्ताव...

निर्णय

पिछली कार्रवाई राजना
के उपलब्ध है उदा
उत्तरा होता जाये
न्यायिका होना नहीं है।
रुपयैक रवोद, निगोद
के साथ पिछली कार्रवाई
की पुष्टि की गयी।

2 पचाई वाला नगर में स्वीकार।

निमिष्ठा मार्ग की तहवगी
की लखली के लिए पूर्व श्री गणेशताम्रपुत्र
के तैनात उदतिक मजदूरी मान्य समायुक्त के कंधे
पु लगाये गये तहवगी कि जो तहवगी को छोड़ी
मोहरी की छेवाये 1.6.83 गत 22 वर्षों के लेवा
के 31.7.93 तक 30/- कर रहे हैं, उनका पद
प्राप्त कि प्राप्ति मोहरी लखत नही आया है
की दो के समयावधि 25 म्पु वन्पा कार्रवाई
वहाये जाते समन्धी प्रस्ताव हो रही है 25 म्पु
पौरपद अनुमोदन हेतु। जाचिश्मती - जाचिश्मती
महोदय के वताप कि
पद लखत का प्रस्ताव,
शालत में लखत महोदय
के पहा पदुच चुका है
लेकिन अभी तक स्वीकार
नही मिली है।

3 पालिका प्रकाश विभाग में

नगर क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था स्वीकार।

के लखतित संचालन के लिए
कार्यरत तीन दैनिक मजदूरी
पु मिलनी की छेवाये, 30/-
प्राप्ति कि प्राप्ति मिलनी की
दर के 1.6.83 के 31.7.93

प्रत्यक्ष
तक समयावधि बढ़ाये जाते
समन्वयी प्रस्ताव पीएच
अनुमोदन हेतु।

म. मालिका समन्वयी निभाग द्वारा स्वीकार।

समन्वयी कार्य के निष्पत्ति
हेतु 11.10.88 के पूर्व के कार्यस्त
एक उत्तर तिथि को जितनी
दिनांक उल्लेख नहीं न रही हो,
तथा प्रत्येक वर्ष कम से कम
240 दिनों कार्य करने की शर्त
नहीं न करते हैं; पाल
11.10.88 को कार्यस्त. रहें हैं,
को शासनादेश संख्या 171/8-1.
92 दिनांक 8.12 के निर्देशानुसार।

जिस से न निकाला जाय,
समन्वयी निभागीय निर्देश
के तहत नगर में समन्वयी
जोड़ी आवश्यक दिनांक
दृष्टिगत रखते हुए 27

स्वीकार को दिनांक,
25/10/88 को मजदूरों पर
स्वीकार किया जाते हेतु
दिनांक 1.6.83 से 31.7.83 तक
समयावधि बढ़ाये जाते
समन्वयी प्रस्ताव पीएच
समन्वयी स्वीकृति हेतु।

21.7.83

5. प्रस्ताव निर्माण स्वीकार |
 5. पारितोषिक समाप्त निर्माण स्वीकार |
 समाप्त कार्य निम्नलिखित है
 दिनांक 11.10.83 के निर्माण
 कार्यरत निर्माण की
 तिथि, 1.6.83 से 31.7.83
 तक 25/- प्रति दिन प्रति
 वेतनदा की दर से निम्नलिखित
 कार्य निर्माण जो निर्माण
 प्रस्ताव परिषद स्वीकृत
 है।

6. पारितोषिक जलमल निर्माण स्वीकार |
 6. पारितोषिक जलमल निर्माण स्वीकार |
 में पारितोषिक जलमल निर्माण
 के लिए, जलमल के
निर्माण है। 12 मिनट अवेजेंट
 की तिथि 30/- प्रति मिनट
 अवेजेंट, की दर है निर्माण
 मजदूरी पर 1.6.83 से
 31.7.83 तक निम्नलिखित
 कार्य जो निर्माण
 प्रस्ताव, परिषद अनुमोदित
 है।

7. पारितोषिक जलमल निर्माण स्वीकार |
 7. पारितोषिक जलमल निर्माण स्वीकार |
 की पारितोषिक जलमल निर्माण
 एवं निर्माण कार्य है
निर्माण की तिथि 25/-
 प्रति दिन प्रति वेतनदा
 की दर है 1.6.83 से 31.7.83
 तक निम्नलिखित कार्य जो
निर्माण प्रस्ताव परिषद
 अनुमोदित है।

प्रस्ताव

प्रस्ताव वाला टेली वन
 एड्ड तहनामी की नीलापी,
 जो पालिका कार्यालय में
 नीलापी प्रक्रिया के अंतर्गत
 भी गयी थी, और अनुसंधान
 पत्र के अनुसार उपलब्ध
 लेनी दाता का 50% धन
 नीलापी के तुरन्त बाद
 जमा किया था, शेष
 धनागरी स्विचिंग के
 पश्चात् जमा होता था,
 पाली बचलायु रोड व
 मिजीयु रोड तथा मधली-
 शहर इलाका रोड की धन-
 राशि के कारण धन
 वा-वा नोर्टिस के
 वाक्यरूप अभी तक धन
 नहीं जमा किया गया,
 सम्बन्धी प्रकरणा, पीपीयू
 के समस्त उचित निर्णयों
 प्रेषित।

संजी मंडी श्री-चम्पालाल
 पालवाल की गली से
 भराला मालिद से सुताही
 को जाने वाली सड़क को
 विकसित वाली गली -
 लम्बे मार्ग का नामकहा
 लें "हरी न लं मणि रावत"
 के सम्बन्धित प्रस्ताव
 जिसके प्रस्तावक सर्व श्री
 मधारीक, दुलाला जियात
 दुबेन तथा लम्बेक श्री गुल्लाल

निर्णय

एक माह की नोर्टिस
 दी जाए कि धन
 जमा कर दें, यदि धन
 जमा नहीं होता है तो
 नीलापी पुनः काली
 जाय।

नोर्टिस

श्री चम्पालाल पालवाल की
 दुलाल से मालिद की
 आगलिनी कोने तक गली का
 नामकहा "हरी न लं मणि"
 रखा जाना सर्व सम्मति
 से स्वीकार।

21.7.93

निर्णय:-

प्रस्ताव:-

अध्यक्ष ऊपर उल्लेखित है,
परिषद के समक्ष अनुमोदन
देन।

10. पंचायत वास्तव रोटी वलव डा 10 पुनील जी वास्तव
जो वलव के अध्यक्ष डा 10 वलव एवं जी सी भाग्य जी,
जो वलव शर्मा, का आलेख - भाग्य जी ने कहा
पुन, कि जलकल परीक्षा कि वे इसे उल्लेखित
विषय नवीन विषय पुनील नही है, पालव जी विचार
के उपरी ताल पर पांच - भाग्य जी ने कहा
पुनील की सतह पर उनके कि रोटी जी जी
व्यपमाल के वास्तव जो वलव के कोड़ी विचार
वास्तव हाल तथा उल्लेख नही है जहाँ तक प्रीति
पालिका को 300/- प्रति मिल देना उचित
माह कि एका मिलने लम्बे जी जगद डों, इस
प्रस्तव, जो वलव हित में पा जगद शर्मा-जगद शर्मा
है, उल्लेख एकाव- ने स्पष्ट किया कि जो
पुनील दिनांक 22-6-93 भी शर्त होगी उल्लेख
परिषद अनुमोदन देन। के अनुमोदन दिया जायेगा।

11. जलकल परीक्षा में
निर्दिष्ट पुनील में ले
पुनील नं. 1, 3, 4 की नीलापी
दंडा प्रक्रिया के अनुमोदन
का दी गयी है, लम्बे
प्रकारा परिषद लम्बे
लम्बे एवं लम्बे
2 पुनील की नीलापी वाद
में कहा जायेगी, परिषद
लम्बे।

लम्बे।

निर्णय -
स्वीकार ।

प्रस्ताव राजस्व प्रभागी वाजत
प्रधान डाक्टर के मुख्य
गेट के समक्ष 06 डिग्री
अमीन पड़े पर पूर्व में
प्रधान डाक्टर को दोगरी
गी, जिल्ली मियाद समाप्त
हो जाने के कारण पुनः
निर्धारित एवं उचित
प्रतिपक्ष तथा सुलाना
किए गए पर दिने जाने
सम्बन्धी प्रस्ताव पीछे
के समक्ष निवारण ।
स्वीकार ।

प्रस्ताव राजस्व प्रभागी
वाजत मछली बाजार के
तद्व्यापी डेके की नीलामी
टेन्डर प्रक्रिया के अन्तर्गत
की गयी है, जो उच्चतम
बैली 60,100/- आया है,
हाथ ही मछली बाजार को
नये पुल के पास स्थान-
नीत को सन्तुष्टी
प्रस्ताव पीछे अतुल्य
है ।

स्वीकार ।

Depo Name
4.1.81

के

By who

प्रस्ताव वाजत इन्डियन मार्केट
स्थित नवनिर्मित दुकानों के
प्रथम तल जो तद्व्यापीत
जिलाधिकारी प्रशासन महोदय
के आदेश दिनांक 7.5.83

स्वीकार ।

21.7.93

निर्दिष्ट -

प्रस्ताव
 दुकानें दुकानदारों के लिये
 निर्मित करा दी जाएं,
 इसी बीच भूमिगत के
 किरायेदारों द्वारा प्रीमियम
 की सम्पूर्ण चतुर्थांश जमा
 किसे बिना अपनी तल की
 दुकानों पर व्याज का
 लिखा गया, जिसकी लागत
 उस समय प्रत्येक दुकान की
 ₹ 38,740-00 आयी थी, जिसे
 वसूलने की प्रक्रिया में,
 दुकानदारों को नोटिसे दी
 गयी, परन्तु प्रीमियम की
 चतुर्थांश प्राप्त न होने की
 दशा में वजारी तहसीलदार
 रीकवरी नोटिसे जारी कापी
 गयी, जिस में 21 दुकानदारों
 द्वारा सम्पूर्ण चतुर्थांश जमा
 नहीं की गयी, और दुकान नं.
 36 के ~~अव~~ आवंटों ने मातृपीप
 उच्च न्यायालय ईलाहाबाद के
 दिनांक 27.4.92 को तहसील स्तर
 जारी रीकवरी नोटिसे के सम्बन्ध
 में अचानक आदेश प्राप्त कर
 लिखा, और इस काफ़ा नसली
 प्रायः रूचरित हो गयी यद्यपि
 बाद निष्ठासा की प्रक्रिया में
 जवाब दे दी लगायी जा चुकी
 है। इसी बीच दुकानदारों द्वारा
 मुकदमा न लड़ने एवं फलतः
 करने सम्बन्धी आदेशतपत्र पर

निर्णय

प्रस्ताव -
निर्णय करते हुए, तत्काल
चुनने की वारंवार की
प्रक्रिया में प्रीमियम की
धनराशि पर 15% की छूट
दिये जाने का प्रस्ताव -
परीषद के समक्ष अनुमोदन
होगा और यह रिजॉल्यूशन
छूट 31.7.93 तक जमा
करने वाले दुल्हनदारों को
ही प्रदान होगी, तदन. के
तत्काल स्वीकृतिार्थ प्रस्तुत।

15. आल्पा अधीशाही. अधीकारी स्वीकार।
दिनांक 22-6-93 के प्राधिकार इस पर यह भी निर्णय
के माध्यम से साक्षरों द्वारा नगर निगम के अध्यक्ष, व अधीशाही. अधीकारी
स्थित लड़कों के नामक हारा देण्ड
अनुपेक्षित प्राप्त होते रहते हैं, की एक कमेटी गठित की
क्षेत्र जलक्षेत्र में लड़कों के जाय, जिसमें अध्यक्ष,
नामक हारा कर्म देण्ड एक कमेटी डिप्टी-चेयरमैन कमेटी
गठित कर दी जाय जिसमें के अध्यक्ष तथा केन्द्रीय
नामक हारा प्रकृष्टा पर्यवेक्षित निगम व अधीशाही
निर्णय लिपि जाने की कार्यवाही अधीकारी इस कमेटी
की जाय होगी, तदन. के के समक्ष रहेंगे।
नामक हारा प्रकृष्टा पर्यवेक्षित
आदि लगावाये जाने का
व्यय मजदूरी आदि दास्तानी -
पहन कोड़े तथा नामक हारा
का प्रस्ताव जोड़ की वारंवार
में अनुमोदन देण्ड स्वयं
जाय करेगा, परीषद
स्वीकृतिार्थ।

21.7.93

निर्णय

16. प्रस्ताव श्री गणेशदासदास,
मातासुभाषदास, जिला
लामने की बाधालासुभा,
की दमस्तु और माय -
लामने ने किया, कि
जो नग में लाटरी की
बाधा, इतनी तीव्र गति
से उत्पन्न होती जा
रही है, कि नग के दूरी
के लोग इसके शिकार होते
जा रहे हैं. और उनका
भविष्य अंधकारमय होता
जा रहा है, जो जाति के
लाटरी की लिकी पर
एक लगे लामने प्रस्ताव
बोर्ड के लक्ष्य इस बाध
के लक्ष्य कि बाध को इस
लामने के प्रस्ताव लिये
जाय, लामने प्रस्ताव
परीषद के लक्ष्य विचार्य।

स्वीकार।
बाध में न
लिया जाय।

17. प्रस्ताव बाध लामने
प्रांगण स्थित फिल्टर
प्लान्ट नं. 1, 2 व 3 के
लिफ्ट, मोंग बाध, व
प्रतिभा प्रका के ग्रेवेल
आदि की व्यवस्था के कुम
में 24,000-00 की लक्ष्य
अनुमानत है, बोर्ड के
लक्ष्य देना मांगित
करे देय स्वीकृत।

स्वीकार।

21.7.93

271

निर्माण

स्वीकार।

18. प्रस्ताव वातावरण सचिव मंत्री
स्थित भगत सिंह मार्केट
को 10 कुन्दाओं के प्रयोग
पर जिला लक्ष्मी
नगर, जोतपुर की नगर
पालिका, लोखरे एवं वेक
की पुनीचा डाल मातापुत्र
जलवाक 10.95 मीटर x
4.30 मीटर लम्बाई देकर उसका
निर्माण या तो वेक स्वयं करेगी,
अथवा छिदी-नोर्ड डाल काएपेगी,
जिसके लिए चत वेक व्याज दर
छिदी-नोर्ड जोतपुर को उपलब्ध
काएपेगी, जिसका समायोजन
आंध्र प्रदेश सरकार के द्वारा
एवं आंध्र प्रदेश नगर निगम
के रूप में पाएगी का जमा
करेगी एवं वेक का किराया
प्रो. 50000 डी. 0 से ~~5000~~
शेड्यूल रेट पर निर्धारित
किराया जायेगा, प्रस्ताव
प्रतिष्ठान के समक्ष स्वीकार्य।

स्वीकार।

19. प्रस्ताव वातावरण सचिव की
निर्देशावली सामग्री में नीलाप
का दी गयी है, जिसे स्वयं
है (सिआज) के लिए प्रस्ताव
प्रतिष्ठान के समक्ष स्वीकार्य
तथा नीलाप है 24,509.50
प्रतिष्ठान द्वारा पांच ही नीलाप
प्रस्ताव में प्रमाण प्राप्त है,
प्रतिष्ठान समक्ष स्वीकार्य।

21.7.93

प्रस्ताव
20. पञ्जाब नगर वर्ष 1893-94 में नगर में सामान्य स्वच्छता प्रस्तावित योजनाओं को जलप्रदायक और नालों को जलप्रदायक और नालों में परिचित करने के लिए उनकी संख्या तथा अनुमानित धनव्यय को नगर प्रशासन को 600 प्रतिशत और नालों के लिए है, की अनुमानित लागत, 13,93,000/- है, जिसमें 1/2 भूदान, तथा 1/2 अनुदान राज्य होगा, परिषद के लक्ष्य लक्ष्य है।

निर्णय

स्वीकार

21. वित्त वित्त आयोग अनुभाग-1
आयुक्त-वे. आ. -1-817/10-
48 (एम. - 88 दिनांक 9-2-1893
जिसके अन्तर्गत नालों का कार्य -
नालों को जलप्रदायक 1893 के
निर्णय प्रमाणित संशोधित में नालों
में नालों को जलप्रदायक को
गयी है, परिषद के लक्ष्य
लक्ष्य व अनुमानित है।
वित्त वित्त

स्वीकार

1) 3500 तक नाल वित्त	92%
2) 3501 से 6000/- तक	69% परन्तु कम
नाल वित्त वित्त	से 3220/- तक
3) 6000/- से अधिक नाल	59% परन्तु कम
वित्त वित्त	से कम 4440/- तक



21.7.93

प्रस्ताव। -

निर्णय।

इसके भी प्रस्ताव को
में लाने जंग जितने लोग
हिए की बात हो सके।

23. लोकमज ~~सब~~ कमेटियों
के समापनियों को युवा

इस प्रकार प्र. की जगह
रजा उर्फ भाइया जी ने
कि यह प्रस्ताव इस दिनांक
में की रानी कोशिके में
होगा जो देने का, जंग
समापनों की भी जंग
सहमति पायी गयी कि
इसे अगली बैठक में
रखा जाय।

24. छिटी-वोर्ड जोनपु के
वित्तीय वर्ष 1883-84 के
आप-व्यय के माह अगस्त
1883 का मासिक आप-
व्यय लेखा पीपल
अवलोकन व अनुमोदन
है।

नवीका।

25. छिटी-वोर्ड जोनपु के
वित्तीय वर्ष 1883-84 के
आप-व्यय के माह मई 1883
का मासिक आप-व्यय लेखा
पीपल अवलोकन व अनुमोदन
है।

नवीका।

26. अल्प लिखित प्रस्तावों की
स्वीकृति है। -

निर्णय -

महिला

आने दानपत्र वाणिज्यगान मो०
 कोणी महेलीशहर पडाव
 तारापुल कि उनके मुहल्लों
 में स्थित नवीनार्थत मकानों
 की छिदी-बोर्ड जैयुल का
 को निर्धारित कर दिया गया है,
 जिसके अनुसार वे गृहकार
 जलका छोड़ जमा कर रहे हैं
 तारापुल को जाने वाली
 एक बच्चा होने के कारण
 तारापुल का आवागमन बाधित
 है, साथ ही वह मार्ग छिदी-
 बोर्ड में सम्मिलित नहीं किया
 गया है, को छिदी बोर्ड की
 एक में सम्मिलित करते
 हुए, एक बच्चा का
 तारापुल काया जाय, समझी
 अन्ततः परिषद अनुमोदित है।

स्वीकार।

अन्ततः श्री राजी मो० सलीम, मान्य सभाध्यक्ष,
 जिसका समर्थन श्री अनसुजा उर्फ
 मर्या जी, श्री शोभनाथ जाधव,
 श्री सभाध्यक्ष ने किया, वास्तव
 में तारापुल के सामने चौड़ाई
 की बड़ी गाड़ियों को घुमाने
 के लिए बहुत परेशानी होती
 है, क्योंकि वहाँ तंगी व
 अनेक बाले खड़े होते हैं,
 अतः श्री गाड़ी घुमाने पर
 अन्ततः आम हो जाता है,

स्वीकार।

21.7.93

निर्णय :-

प्रस्ताव :-

इस पेशाब के विवाद
 में श्री विश्वनाथ शर्मा,
 निमित्त कीतल्लो घोरहे
 के समवा, की पुलात
 से सटका 12 फुट चौड़ाई
 में रास्ता, एकला निमला
 पालिका से जलाय का
 दिमा जाय, 12 फुट के
 बाद खभे न एकाड लगला
 का 12 फुट का रास्ता
 जलाय का दिमा जाय,
 जिए वाहो के आवा-
 गमन में बाधा नही होगी,
 रामनजी जताहत का प्रस्ताव
 परिसद अनुमोदन हेतु

अल्प विषय अध्यापन की स्वीकृति हेतु

28. पेशाब की रिपोर्ट से खपता प्राप्त हुआ जो कि निम्नलिखित कर्मचारी की अल्पकृता (अनालय) अस्वीकार्य होता है।
 उनके निवृत्त अवस्था में संभवतः की है हस्तक्षेप अध्यापन की अधिकृत
 करते हुए आदेश दिया है, जिसकी कोड है कि उचित अवस्था
 लायिकारीक प्रणाली कार्यालय में उपलब्ध है, इसे निरास कर
 परिसद के लक्ष्य उचित आदेश है।

(सत्य प्रकाश मोहन)

आपिब्राह्म आधिकारी,
 सिटी बोर्ड जोधपुर

21.7.93

(सोता प्रमोद)

अध्यापक,
 सिटी बोर्ड

जोधपुर

21.7.93

लेखक :-

महेशनाथ

परिसद निर्णय / कार्यालय अधिकारी,

सिटी बोर्ड जोधपुर

21.7.93

विशेष बोर्ड जोड़ने की बैठक में दिनांक 21.7.93
की विशेष कार्य सामग्री (एजेंडा)

प्रस्ताव वास्तव वर्ष 1893 रु
को अनायास में करों की वसूली
की प्रभावी ढंग से कार्यान्वयन
एवं बड़े बड़े विकास कार्यों के
लिए गृहकार्य, जलकाल एवं
जलसंधारण को जमा करों के
उद्देश्य से 10% की छूट
निगत वर्षों की भाँति, इस
वर्ष भी दी जाए, जो 15 अगस्त
1993 के प्रभावी माने जाएगी,
परिष्कार समिति स्वीकार करे।

स्वीकार।

अग्रे का कार्यवाही की जाए।

प्रस्ताव वास्तव जोड़ने विकास
में आन्तरिक विकास मुख्य
व उद्देश्य किंग चार्ज में
वास्तव विकास मुख्य मुख्य
लाभ किसे जोड़े समझनी
प्रति लेन का विशेष संकल्प
परिष्कार अनुमोदन हेतु

स्वीकार।

प्रस्ताव वास्तव पंच दीनदयाल
आस्थापना, मनोरंजन हाल के श्री अतसुरा डी. भइयाजी
आस्थापना को (यात्री विमान नाव समारोह ने कहा कि
जो डलवाने शोध लगाने) यह प्रस्ताव अर्धवर्ष जो का
5.00 तीन लाख का व्यय जो है, क्या शासन इसे मान
पुँगी नीलाप्री से प्राप्त उत्पन्न होगी, उच्च आप समझते हो
वहन किया जाएगा, कि शासन इसे मान लेगी,
परिष्कार अनुमोदन हेतु। इसलिए यदि आप सहमत
हो तो इसी पुँगी की आप
से एक पैसा भी कम
का लिया जाए, जो गारंटी

स्वीकार।

21.7.93

मै होगा
ने मदा कि होक
इलाका प्रस्ताव को गली में
मे लापत जोपेगा

(सत्य प्रकाश पांडेय)
आदेशाली. आदेशाली
सिटी नोट जोपेगा
21.7.93

(सिटी नोट जोपेगा)
आदेशाली,
सिटी नोट जोपेगा
21.7.93

जुस्तक : महेशनाथ
परिषद लिफ्ट / कापीलम अच्युत
सिटी नोट जोपेगा
21.7.93

4. अन्य विशेष प्रस्ताव अच्युत की स्वीकृति है:-
आने रजपत्र की सम्माननीय श्रीमान, महेशनाथ, सिटी नोट जोपेगा
दिनांक 5.5.93, जिसे इन्होंने सिटी नोट जोपेगा
जोपेगा को भेजा है, जिसमें निवर्तमान अच्युत है। निवर्तमान अच्युत
डा० कृष्णलाल धीमान द्वारा कतिपय आदेशों के डा० कृष्णलाल -
31.3.93 की तिथि में पारित होने का संदर्भ देते श्रीमान के आदेश
हुए, दिनांक 1.7.83 से पक्षतरीक से मुक्ति, दिनांक 31.3.93 को
27.2.85 से 10.5.87 तक निवर्तमान अच्युत को देना निवर्तमान मित्रा जाता
काल मानते हुए, वेतन भुगतान तथा 1.11.88 से 5.2.89 तक है।
व दिनांक 15.6.90 से 8.10.91 को अच्युत को अवकाश-
वेतन की मांग किसे है, जिसकी कोई साक्ष्यकारी क हस्ता
उस समय कापीलम में उपलब्ध नहीं करायी गयी है,
अथ कापीलम एवं आदेशाली. आदेशाली की रिपोर्ट दिनांक
21.7.93 के मुद्दा इस 31.3.93 का पारित आदेश अच्युत
व अच्युत पारित है, जो स्वीकृति योग्य नहीं है, की प्र
के समस्त विचारार्थ।

10 वीं वार्ड जोधपुर की पुस्तक दिनांक 21.7.93
लिखें प्रश्न कार्य सामग्री (एजेन्डा)

जोधपुर जिला में साक्षरता
के अन्तर्गत जन जन
को साक्षर बनाने में उद्देश्य
जिलाधीनी जोधपुर के
एजेन्डा 5181 साक्षरता
को 1.3.1993 के क्रम में
प्रधान कार्य को निर्देशक
को एन जल परियोजना के
को मान्य प्रशासनिक दंग है
को मान्यता में मान्य सम्भव
को होगा, उसके लिए
को सामान्य एवं प्रमुख नागरिकों/
को प्रतिक्रियाओं का प्रतिक्रिया
को एन एवं भागीदारी वांछित
को चर्चा में रहते हुए
को समाज के संस्कार में
को राज सन्निहित वगैरह जाय,
को सफाई स्वच्छता व

एजेन्डा

को जोधपुर जिला प्रमुख इस शर्त के स्वीकार
वास्तव, का संग्रहीत, कि यदि नियमानुसार
जोधपुर पत्र दिनांक 15.4.93 देय हो तो भुगतान
को संग्रहीत के मूल पद किया जाय।
को कार्यरत रहते हुए, स्वच्छता
को में द्वितीय श्रेणी के
को पद का तथा जन
को जोधपुर महत्वपूर्ण पद
को लिखा जाता है, को
को श्रेणी लिखिक
को जल भुगतान किया

प्रस्ताव
जाय, समझौता प्रकल्प
परिमित अनुमोदन हेतु

3. शासनादेश सं० 272 A/8-1-83.

503 (सा० सं० 270) / 82 दिनांक

2.3.83 के हिसाब 13.60

(तिरहलाल लक्ष्मी) का

लक्ष्मी अनुदान प्राप्त हुआ है,

जिसका आधरा 31.3.83

को किया जा चुका है, शासना

देश की बातों के अन्तर्गत

सिटी-वार्ड जी० सं० 25%

लाभका अंशदान 3,40,000-00

मिलाना होगा, इस प्रकार

वर्ष 1983-84 में लक्ष्मी के

राशिलेख हेतु हिसाब 17.00

लाभ (तिरहलाल) व्यय

किया जाता है, इस अनुदान को

व्यय कोले में अभी तक 4,25,000/-

के व्यय अनुमान जिलाधिकारी

महोदय के स्वीकृति से

जा चुके हैं, इसमें शकाली एवं

वदलायु प्राप्त या गहरी नाली

के निर्माण के प्रस्ताव क्रमशः

2,00,055-40 व 2,24,276-00

बताये जा चुके हैं, प्रस्ताव में

इस प्रकार का पुनर्वाह है कि

प्रत्येक लक्ष्मी के वर्ग में 20-

20 बीस-बीस हजार के कार्य

प्रत्येक समूह की संज्ञा

या कार्य जाय, जो 30 समूहों

लोकाल

समाह्व

कार्य एवं कार्य जाय

समाह्वों को उनके कार्य

हेतु 20-20 हजार के लक्ष्मी

या 30-30 हजार का कार्य

दिनांक 31.3.83 को किया

जाया है, सर्व समूहों के

प्राप्त किया जाता है।

कार्य का नाम

संख्या २५

धनशाला

97.50मी. रु 21,806-26

256 जी०
क्र 20556-56

20 जॉ 20 13.457 = 13

56 मी० रु० 199/16 = 26

7 मी० न० 1116 = 49

80 मी. 20.14.289=34

24 मी० अ 10.604 = 53

19 मी. 27 5.598 = 00

4 मा० का 2.546 = 13

5 मी० ३.५६९ = ७०

15 मार्च को 2,396 = 72

20मी० अ 6,269=48

122 श्री २० १७,८९४ = ६१

55 आ० २०३७४४३=८०

२५ मी० रु १०.५६५ = ३

45 मी 6,950 =

150मी. रु 28.096

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

...में इसी प्रकार के समाज है जो
...के समाज को ही कहेंगे एक
...।
... हैं इसी प्रकार के समाज एक एक

हनुमान मानदे लक लख निमीण।

अपनी कर्मों का फल अपने हाथों में लेना है।
अपनी कर्मों का फल अपने हाथों में लेना है।

मैने बहुत कुछ सोचा है।
मैने बहुत कुछ सोचा है।
मैने बहुत कुछ सोचा है।

मैंने राधाबुद्धिमानपुत्र में बड़ी गरीब दुख के मकान में
मेरा मकान एक फरस एका नाही निभीया।

मिशनरी छाँ में लकी जगदीश के जकान के पास
मिशन।

मौलाना रोला में की जलानुद्दीन के मकान है
जहाँ से ४ हफ्तों की एक नाटी निकलती है।

मोनालिसा के हाथ में बड़ी ध्यौल मिथुनी के मकान से बड़ी
महबूब साइट के मकान तक सोही निभाया।

मो दादाजीला मे' जे राजे खुद्दा हे' जे जमान जे
सामने फरे मिळीत।
जे दादाजीला मे' जे राजे खुद्दा हे' जे जमान जे

मेरा बालक जहाँ मैं छोड़ी जाऊँगा, वहाँ के मेरे पास हैं
 मैंने एक नाली निर्माण।

१. गायत्री मंत्र है। जो सभी ऋषिओं के गुरु, गुरुदेव हैं।
 २. गायत्री मंत्र के गुरु, गुरुदेव हैं।
 ३. गायत्री मंत्र के गुरु, गुरुदेव हैं।

श्री जट्टियापु में लखनामिठ काशीलख ही लख
पन्नीवी बाबा लख सख निमिष ।
आजका वोल है लखी मोर यही ३ ३७

३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

है सोइ तब होहिउ एवं नाही निर्माण । उ०

[illegible]

4. मौन - मौन का अर्थ है बोली नहीं।
 5. मौन का अर्थ है बोली नहीं।

नाली निर्माण ।
उ०- उडिना वाद लडिन वादाला ॐ लीखीवाली के

मन्त्र है वही राम है मन्त्र तब सही होगा एवं
नाली निर्माण ।

उ०अ० न० १३१०३५

15532
20.529:09

145 आ० ३० 69520=45

60 मी. २०/२२११=४१

60% $28 \parallel 256 = 0$

66 जी०
दर 10.941 = 10

46औ०
को 20.386=09

123 प्र० २० 25, 027 = 61

33 भा० ३० ५९९०-११

10 मी. २ 1.863 = 0.2

४५ मी
२० १,५१५ = ४५

29/10/2020

375 मा० २० 1.11.542 =

160 मा० अ 50,898 = 42

उ० गी० ॥ १४.७२७ = ८७

60मी० 20 19.308=00

2, 46 715 2, 13.042 = 00

42000 20 18.087 = 0

135 मी 24.17

75 मी०	रु 15,281=00
40 मी०	रु 13,833=00
15 मी०	रु 5,180=00
10 मी०	रु 13,045=00
65 मी०	रु 31,400=00
60 मी०	रु 10,923=75
80 मी०	रु 24,583=00
105 मी०	रु 36,519=30
120 मी०	रु 64,814=88
90 मी०	रु 40,855=30
150 मी०	रु 57,578=00
315 मी०	रु 64,344=68
250 मी०	रु 1,22,683=20
10 मी०	रु 8,468=50
150 मी०	रु 61,813=80
10 मी०	रु 14,650=00
50 मी०	रु 14,027=00
100 मी०	रु 32,003=60
90 मी०	रु 42,773=75
37 मी०	रु 11,493=60
90 मी०	रु 36,76

का 20-20 बीघा जमीन की दू. 6
6,00,000/- के लाल बाप देगा।
हिसा 6,25,000/- शेष रहेगा,
25 घंटे के नगर क्षेत्र की
अन्तर्गत स्थिति में माल
के प्रस्ताव, बाप अनुमान लिखित
में दिया जाएगा, जहाँ
जिसे अक्षर, छिपी-छोटी जाय
आधिकारित किया जाय, प्रस्ताव
परिष्कारण अनुमोदित है।

प्रस्ताव वाला भी हस्ता उभाय
में लड़ी कालोनी के अन्तर्गत
की (मालिक) के माल के
नगर में तथा जी जलवात
के माल है जी जुनेडराय
के माल तक छोड़ दिया निर्माद
है बाप अनुमान है 1,22,684/-
परिष्कारण अनुमोदित है।

स्वीकार।

प्रस्ताव वाला मधुली मार्केट
की पुल के निर्माण है आप
दुए उदेडों में न्यूनतम देना
जी लक्ष्मणमारा बिकेदा का
3,33,160.09 रुपये का जो
अनुमानित लागत है 0.2% रुम
है, लक्ष्मी उक्त मधुली मार्केट
में पुल के पास निर्मित कार्य
जो लक्ष्मी प्रस्ताव, परिष्कार
अनुमोदित है, जो लोड की
बैक डिवाइ 28.12.92 के

स्वीकार।

प्रस्ताव

के निशेष पूरक प्रस्ताव है
7 अंश पर्वत से मुकाबे
के अंतर्गत में मछली मार्केट
तथा ऊपरी तल में पुलों
का निर्माण होगा, पीपड़
स्वीटवार्ड।

6 आल्पा राजस्व प्रणाली डिग्री

28.6.93 जालत भीमत
हिंदू न्यू मार्केट स्थित सजी
मंजी, पुलों को नीलापी
देना प्रक्रिया के अंतर्गत
16.1.93 को कार्य गयी,
जिले में पुलों में। स्वतंत्रता
विशेष विभाग, को, 50,200/- के
पुल में 2, पापिका कीचड़ी
को 148,200/- में नीला म
की गयी, पीपड़ स्थित।

स्वीकार।

7. फलाने जालत विभाग

चौराहे से होते हुए नये
पुल को पापु केते हुए
जो लोच चौराहे तक जाते-
जाते मार्ग का नाम भूरा
मिथुन का के वीपड़
स्वतंत्रता विभाग से नयी
जानू भी विशेष प्रणय हिंदू
मार्ग देखा जाय, पीपड़
अनुमोदन दे।

स्वीकार।

चूंकि यह मार्ग मार्ग-
जालिक निर्माण विभाग की
है, इसकी सम्बन्धित
आवेदनी को सभी
अनुमोदन दे।

नचना-नाल

की वीरेन्द्र प्रताप पास, मान्य उमापा ने कहा
जो गिरगापुर में निर्माद घाट तक होलिंग निर्माण का प्रस्ताव
लेकिन होलिंग नहीं लगी, इस पर होलिंग-इलावापी जा
आन्त में की एजेन्ड प्रताप सिंह, मान्य उमापा
ने कहा कि उनके उमापा निमित्त मकान के पास होलिंग
नहीं है, जिसे इनको देन नहीं वरु उन्होने कहा, परन्तु अभी
तक नहीं लगा, इस पर अध्यक्ष महोदय ने बताया कि
वह काम एजेन्डा में शामिल है। आचिका-आचिका
ने बताया कि उत्तर लड़क पहले बोर्ड को सचवासीत
तो है, जांच करके उस पर अग्रेत कार्यवाही की जाएगी।
आचिका-आचिका ने यह भी बताया कि टी.डी. कॉलेज जीनपुर की
लड़क ने जो कॉलेज ले दोते हुए वापसदु की को जाती है जो
भी की थी, उसमें दो समक मारी, जो मुख्य मारी को मिलती है,
टी.डी. कॉलेज प्रबंध कार्यवाही समिति के अध्यक्ष महोदय की उमापा
सिंह के पत्र दिनांक 15.7.93 के बावत उत्तर लड़क विही-बोर्ड जीनपुर
को सचवासीत किसे जोते हुए अग्रोध किया गया है, जिसका समर्थन (का)
चलाया भी दिजे जाने का भी प्रबंधक महोदय ने आश्वासन दिया,
जिस पर पर लड़कित पापी कि कॉलेज के अपा समर्थन का की
अवस्था के परभाव ही लड़क को सचवासीत किसे जोते भी
करिये की जाय।

(सत्यप्रकाश पांडेय)
आचिका-आचिका,
सिटी-बोर्ड जीनपुर

21.7.93

सिटी-बोर्ड जीनपुर
(सोताएमपास)

अध्यक्ष
सिटी-बोर्ड जीनपुर

21.7.93

लेखक - मेहरनामपा,
परीषद शिक्षा/कार्यालय आचिका,
सिटी-बोर्ड जीनपुर